

प्रेषक,

एन0एस0 नपलच्याल,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
चम्पावत।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 20 फरवरी, 2008

विषय:- श्रीमती पावादेवी पत्नी स्व0 श्री नरबहादुर राणा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को आवासीय भूमि उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 13/सात-19/2006-07 दिनांक 05 अक्टूबर, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय श्रीमती पावादेवी पत्नी स्व0 श्री नरबहादुर राणा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को आवासीय प्रयोजन हेतु जनपद चम्पावत की तहसील पूर्णागिरी के ग्राम भजनपुर में कुल 0.105 है0 भूमि राजस्व अनुभाग-1 (उ0प्र0 शासन) के शासनादेश संख्या-558/16(1)/73-रा-1 दिनांक 9 मई, 1984 एवं यथा संशोधित शासनादेश संख्या-1695/97-1-1(60)/93-रा-1 दिनांक 9 मई, 1997 में दिये गये प्राविधानों में शिथिलता प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों के अधीन निःशुल्क पट्टे पर आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) प्रश्नगत भूमि का उपयोग उसी कार्य विशेष के लिए किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत की गयी है।
- (2) प्रश्नगत भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान या संगठन को बेचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तान्तरित करने का अधिकारी पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से 03 (तीन) वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा आवंटन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
- (3) प्रश्नगत भूमि पट्टेदार को राजस्व विभाग के नियंत्रणाधीन सरकारी सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बन्धित शासनादेश संख्या-150/1/85(24)-रा0-6 दिनांक 9 अक्टूबर 1987 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गवर्नमेन्ट ग्रान्ट्स एक्ट 1895 के अधीन पट्टा प्रथमतः 30 वर्षों के लिए होगा और पट्टेदार के लिए दो बार 30-30 वर्ष के लिए इसे नवीनीकरण कराने का

- विकल्प उपलब्ध होगा। सरकार को नवीनीकरण के समय लगान बढ़ाने का अधिकार होगा जो पूर्व लगान के 1-1/2 गुना से कम नहीं होगा।
- (4) प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता पट्टेदार को न रह जायेगी तो भूमि निर्माण (Structure) सहित राजस्व विभाग को वापस हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर आदि देय न होगा।
  - (5) यदि भूमि/भवन का परित्याग कर दिया गया हो अथवा यदि समिति का विघटन हो गया हो, तो भूमि/भवन स्थल सहित राज्य सरकार में सभा भारों से मुक्त निहित हो जायेगी।
  - (6) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या- 1 से 5 तक में किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि मय निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

2- उक्त आदेशों का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0 नपलच्याल)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, गृह कारागार एवं सर्तकता, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 4- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 5- श्रीमती पावादेवी पत्नी स्व0 श्री नरबहादुर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, द्वारा श्री देवेन्द्र गुरूंग चन्दनी (बनवसा) जनपद चम्पावत।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(सन्तोष बढोनी)  
अनुसचिव।